



# **United Liberal FOUNDATION**

**(EDUCATION is ABOUT creating leaders for tomorrow)**

Reference Number:- IND/WB/ULF/NCERT/2022/0002

Date:- 21 June 2022

## **CBSE Class 9 History Notes Chapter 2 – Socialism in Europe and the Russian Revolution PDF**

सीबीएसई कक्षा 9 इतिहास नोट्स अध्याय 2 - यूरोप में समाजवाद और रूसी क्रांति पीडीएफ

### **The Age of Social Change**

#### **सामाजिक परिवर्तन का युग**

After the revolution, individual rights and social power began to be discussed in many parts of the world including Europe and Asia. Colonial development reshaped ideas of societal change but everyone was not in favour of the complete transformation of society. Through the revolution in Russia, socialism became one of the most significant and powerful ideas to shape society in the twentieth century.

क्रांति के बाद, यूरोप और एशिया सहित दुनिया के कई हिस्सों में व्यक्तिगत अधिकारों और सामाजिक शक्ति पर चर्चा होने लगी। औपनिवेशिक विकास ने सामाजिक परिवर्तन के विचारों को नया रूप दिया लेकिन हर कोई समाज के पूर्ण परिवर्तन के पक्ष में नहीं था। रूस में क्रांति के माध्यम से, समाजवाद बीसवीं शताब्दी में समाज को आकार देने के लिए सबसे महत्वपूर्ण और शक्तिशाली विचारों में से एक बन गया।

### **Liberals, Radicals and Conservatives**

#### **उदारवादी, कट्टरपंथी और रूढ़िवादी**

Liberals wanted a nation which tolerated all religions. They opposed uncontrolled power of dynastic rules and argued for a representative, elected parliamentary government, subject to laws interpreted by a well-trained judiciary that was independent of rulers and officials. They wanted a government based on the majority of a country's population. Conservatives, after the nineteenth century, accepted changes but also believed the past needed to be respected and change should begin slowly.

उदारवादी एक ऐसा राष्ट्र चाहते थे जो सभी धर्मों को सहन करे। उन्होंने वंशवादी नियमों की अनियंत्रित शक्ति का विरोध किया और एक प्रतिनिधि, निर्वाचित संसदीय सरकार के लिए तर्क दिया, जो एक अच्छी तरह से प्रशिक्षित न्यायपालिका द्वारा व्याख्या किए गए कानूनों के अधीन थी जो शासकों और अधिकारियों से स्वतंत्र थी। वे देश की बहुसंख्यक आबादी के आधार पर सरकार चाहते थे। रूढ़िवादियों ने, उन्नीसवीं शताब्दी के बाद, परिवर्तनों को स्वीकार किया, लेकिन यह भी माना कि अतीत का सम्मान किया जाना चाहिए और परिवर्तन धीरे-धीरे शुरू होना चाहिए।

### **Industrial Society and Social Change**

#### **औद्योगिक समाज और सामाजिक परिवर्तन**

Industrial Revolution led to changes in social and economic life, new cities came up and new industrialised regions developed. Men, women and children came to factories in search of work. But, unfortunately, working hours were long and wages were poor. There was unemployment during the time of low demand for industrial goods. Liberals and radicals made wealth through trade or industrial ventures. According to them, society can be developed if freedom of individuals was ensured, if the poor could labour, and those with capital could operate without restraint. In France, Italy, Germany and Russia, revolutionaries overthrow existing monarchs. Nationalists talked of revolutions to create 'nations' with equal rights.

औद्योगिक क्रांति ने सामाजिक और आर्थिक जीवन में परिवर्तन किया, नए शहर आए और नए औद्योगिक क्षेत्रों का विकास हुआ। पुरुष,

महिलाएं और बच्चे काम की तलाश में कारखानों में आते थे। लेकिन, दुर्भाग्य से, काम के घंटे लंबे थे और मजदूरी कम थी। औद्योगिक वस्तुओं की कम मांग के समय बेरोजगारी थी। उदारवादियों और कट्टरपंथियों ने व्यापार या औद्योगिक उपकरणों के माध्यम से धन कमाया। उनके अनुसार, समाज का विकास तभी हो सकता है जब व्यक्तियों की स्वतंत्रता सुनिश्चित हो, यदि गरीब श्रम कर सकें, और जिनके पास पूंजी है वे बिना किसी रोक-टोक के काम कर सकते हैं। फ्रांस, इटली, जर्मनी और रूस में क्रांतिकारियों ने मौजूदा राजाओं को उखाड़ फेंका। राष्ट्रवादियों ने समान अधिकारों वाले 'राष्ट्र' बनाने के लिए क्रांतियों की बात की।

## **The Coming of Socialism to Europe**

### **यूरोप में समाजवाद का आगमन**

Socialism was a well-known body of ideas by the mid-nineteenth century in Europe. Socialists were against private property and saw it as the root of all social ills of the time. They wanted to change it and campaigned for it. Robert Owen (1771-1858) sought to build a cooperative community called New Harmony in Indiana (USA). Louis Blanc (1813-1882) wanted the government to encourage cooperatives and replace capitalist enterprises. Karl Marx (1818-1883) and Friedrich Engels (1820-1895) added other ideas to this body of arguments. According to Marx industrial society was 'capitalist' who owned the capital invested in factories, and the profit of capitalists was produced by workers. Capitalism and the rule of private property were overthrown. Marx believed that a communist society was the natural society of the future.

उन्नीसवीं सदी के मध्य तक यूरोप में समाजवाद विचारों का एक प्रसिद्ध निकाय था। समाजवादी निजी संपत्ति के खिलाफ थे और इसे उस समय की सभी सामाजिक बुराइयों की जड़ के रूप में देखते थे। वे इसे बदलना चाहते थे और इसके लिए प्रचार किया। रॉबर्ट ओवेन (1771-1858) ने इंडियाना (यूएसए) में न्यू हार्मनी नामक एक सहकारी समुदाय का निर्माण करने की मांग की। लुई ब्लैंक (1813-1882) चाहते थे कि सरकार सहकारी समितियों को प्रोत्साहित करे और पूंजीवादी उद्यमों को प्रतिस्थापित करे। कार्ल मार्क्स (1818-1883) और फ्रेडरिक एंगेल्स (1820-1895) ने तर्कों के इस निकाय में अन्य विचार जोड़े। मार्क्स के अनुसार औद्योगिक समाज 'पूंजीवादी' था जिसके पास कारखानों में निवेश की गई पूंजी का स्वामित्व था, और पूंजीपतियों का लाभ श्रमिकों द्वारा उत्पादित किया जाता था। पूंजीवाद और निजी संपत्ति के शासन को उखाड़ फेंका गया। मार्क्स का मानना था कि साम्यवादी समाज भविष्य का प्राकृतिक समाज है।

### **Support for Socialism**

#### **समाजवाद के लिए समर्थन**

By the 1870s, socialist ideas spread through Europe and they formed an international body – namely, the Second International. Associations were formed by workers in Germany and England to fight for better living and working conditions. The Labour Party and Socialist Party were formed by socialists and trade unionists, by 1905.

1870 के दशक तक, समाजवादी विचार पूरे यूरोप में फैल गए और उन्होंने एक अंतर्राष्ट्रीय निकाय का गठन किया - अर्थात्, दूसरा अंतर्राष्ट्रीय। बेहतर रहने और काम करने की स्थिति के लिए लड़ने के लिए जर्मनी और इंग्लैंड में श्रमिकों द्वारा संघों का गठन किया गया था। लेबर पार्टी और सोशलिस्ट पार्टी का गठन 1905 तक समाजवादियों और ट्रेड यूनियनवादियों द्वारा किया गया था।

### **The Russian Revolution**

#### **रूसी क्रांति**

In the October Revolution of 1917, socialists took over the government in Russia. The fall of monarchy in February 1917 and the events of October were termed as the Russian Revolution.

1917 की अक्टूबर क्रांति में रूस में समाजवादियों ने सत्ता संभाली। फरवरी 1917 में राजशाही के पतन और अक्टूबर की घटनाओं को रूसी क्रांति कहा गया।

### **The Russian Empire in 1914**

#### **1914 में रूसी साम्राज्य**

In 1914, Russia was ruled by Tsar Nicholas II and its empire. The Russian Empire included current-day Finland, Latvia, Lithuania, Estonia, parts of Poland, Ukraine and Belarus, stretching to the Pacific and comprised today's Central Asian states, as well as Georgia, Armenia and Azerbaijan. Majority of the population was Russian Orthodox Christianity.

1914 में, रूस पर ज़ार निकोलस II और उसके साम्राज्य का शासन था। रूसी साम्राज्य में वर्तमान फिनलैंड, लातविया, लिथुआनिया, एस्टोनिया, पोलैंड, यूक्रेन और बेलारूस के कुछ हिस्से शामिल हैं, जो प्रशांत तक फैले हुए हैं और इसमें आज के मध्य एशियाई राज्यों के साथ-साथ

जॉर्जिया, आर्मेनिया और अजरबैजान शामिल हैं। अधिकांश आबादी रूसी रूढ़िवादी ईसाई धर्म थी।

## Economy and Society

### अर्थव्यवस्था और समाज

At the beginning of the twentieth century, Russian population was dominated by agriculturalists, who used to cultivate for the market as well as for their own needs. St Petersburg and Moscow were prominent industrial areas. Craftsmen undertook much of the production, but large factories existed alongside craft workshops. In the 1890s more factories were set up after and foreign investment in industry increased. Large factories were supervised by the government to ensure minimum wages and limited hours of work. Workers were a divided social group. They were also divided by their skill. Despite divisions, workers united to stop work when they disagreed with employers about dismissals or work conditions.

बीसवीं शताब्दी की शुरुआत में, रूसी आबादी में कृषिविदों का वर्चस्व था, जो बाजार के साथ-साथ अपनी जरूरतों के लिए भी खेती करते थे। सेंट पीटर्सबर्ग और मॉस्को प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र थे। शिल्पकारों ने अधिक उत्पादन किया, लेकिन शिल्प कार्यशालाओं के साथ-साथ बड़े कारखाने मौजूद थे। 1890 के दशक में और अधिक कारखाने स्थापित किए गए और उद्योग में विदेशी निवेश में वृद्धि हुई। न्यूनतम मजदूरी और काम के सीमित घंटे सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा बड़े कारखानों की निगरानी की जाती थी। श्रमिक एक विभाजित सामाजिक समूह थे। वे भी अपने कौशल से विभाजित थे। विभाजनों के बावजूद, कामगारों ने बर्खास्तगी या काम की परिस्थितियों के बारे में नियोक्ताओं से असहमत होने पर काम बंद करने के लिए एकजुट हो गए।

Peasants cultivated most of the land but the nobility, the crown and the Orthodox Church owned large properties. Nobles got power and position through their services to the Tsar. In Russia, peasants wanted the land of the nobles.

किसानों ने अधिकांश भूमि पर खेती की लेकिन कुलीनता, मुकुट और रूढ़िवादी चर्च के पास बड़ी संपत्ति थी। रईसों को उनकी सेवाओं के माध्यम से ज़ार को शक्ति और स्थिति मिली। रूस में, किसान रईसों की भूमि चाहते थे।

## Socialism in Russia

### रूस में समाजवाद

Political parties in Russia were legal before 1914. In 1898, socialists founded the Russian Social Democratic Workers Party who respected Marx's ideas. Some Russian socialists felt that the Russian peasant custom of dividing land periodically made them natural socialists. Throughout the nineteenth century, socialists were active in the countryside and formed the Socialist Revolutionary Party in 1900. The party struggled for peasants' rights and demanded land belonging to nobles be transferred to peasants. The party was divided over the strategy of organisation. According to Vladimir Lenin in a repressive society like Tsarist Russia, the party should be disciplined and should control the number and quality of its members. Mensheviks thought that the party should be open to all.

1914 से पहले रूस में राजनीतिक दल वैध थे। 1898 में, समाजवादियों ने रूसी सोशल डेमोक्रेटिक वर्कर्स पार्टी की स्थापना की, जो मार्क्स के विचारों का सम्मान करती थी। कुछ रूसी समाजवादियों ने महसूस किया कि समय-समय पर भूमि को विभाजित करने के रूसी किसान रिवाज ने उन्हें प्राकृतिक समाजवादी बना दिया। उन्नीसवीं सदी के दौरान, समाजवादी ग्रामीण इलाकों में सक्रिय थे और 1900 में सोशलिस्ट रिवोल्यूशनरी पार्टी का गठन किया। पार्टी ने किसानों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और मांग की कि रईसों की भूमि किसानों को हस्तांतरित की जाए। पार्टी संगठन की रणनीति को लेकर विभाजित थी। व्लादिमीर लेनिन के अनुसार ज़ारिस्ट रूस जैसे दमनकारी समाज में, पार्टी को अनुशासित होना चाहिए और अपने सदस्यों की संख्या और गुणवत्ता को नियंत्रित करना चाहिए। मेशेविकों ने सोचा कि पार्टी सभी के लिए खुली होनी चाहिए।

## A Turbulent Time: The 1905 Revolution

### एक अशांत समय: 1905 की क्रांति

Russia was an autocracy and even at the beginning of the twentieth century, the Tsar was not subject to Parliament. During the Revolution of 1905, Russia along with the Social Democrats and Socialist Revolutionaries, worked with peasants and workers to demand a constitution. For Russian workers, bad times started from the year 1904 as prices of essential goods rose and their real wages declined by 20 per cent. Workers went on strike demanding a reduction in the working day to eight hours, an increase in wages and improvement in working conditions. The procession was attacked by the police and the Cossacks when it reached the Winter Palace. The incident, known as Bloody Sunday, started a series of events which resulted in the 1905 Revolution. During the 1905 Revolution, the Tsar allowed the creation of an elected consultative Parliament or Duma. After 1905, most committees and unions worked unofficially,

since they were declared illegal.

रूस एक निरंकुश था और बीसवीं शताब्दी की शुरुआत में भी, ज़ार संसद के अधीन नहीं था। 1905 की क्रांति के दौरान, रूस ने सोशल डेमोक्रेट्स और समाजवादी क्रांतिकारियों के साथ मिलकर किसानों और श्रमिकों के साथ मिलकर संविधान की मांग की। रूसी कामगारों के लिए, बुरा समय वर्ष 1904 से शुरू हुआ जब आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ीं और उनकी वास्तविक मजदूरी में 20 प्रतिशत की गिरावट आई। कार्य दिवस को घटाकर आठ घंटे करने, वेतन में वृद्धि और काम करने की स्थिति में सुधार की मांग को लेकर श्रमिक हड़ताल पर चले गए। जुलूस पर पुलिस और कोसैक्स ने हमला किया जब वह विंटर पैलेस पहुंचा। ब्लडी संडे के नाम से जानी जाने वाली इस घटना ने घटनाओं की एक श्रृंखला शुरू की जिसके परिणामस्वरूप 1905 की क्रांति हुई। 1905 की क्रांति के दौरान, ज़ार ने एक निर्वाचित सलाहकार संसद या ड्यूमा के निर्माण की अनुमति दी। 1905 के बाद, अधिकांश समितियों और यूनियनों ने अनौपचारिक रूप से काम किया, क्योंकि उन्हें अवैध घोषित कर दिया गया था।

## **The First World War and the Russian Empire**

### **प्रथम विश्व युद्ध और रूसी साम्राज्य**

In 1914, war broke out between two European alliances – Germany, Austria and Turkey (the Central powers) and France, Britain and Russia (later Italy and Romania). This was the First World War. The war became popular and as it continued, the Tsar refused to consult the main parties in the Duma. Support wore thin. The First World War was different on the eastern front and on the western front. Between 1914 and 1916 Russian army lost badly in Germany and Austria. Russian army destroyed crops and buildings to prevent the enemy from being able to live off the land. The country was cut off from other suppliers of industrial goods by German control of the Baltic Sea. railway lines began to break down by 1916. For the people in the cities, bread and flour became scarce. By the winter of 1916, riots at bread shops were common.

1914 में, दो यूरोपीय गठबंधनों - जर्मनी, ऑस्ट्रिया और तुर्की (केंद्रीय शक्तियों) और फ्रांस, ब्रिटेन और रूस (बाद में इटली और रोमानिया) के बीच युद्ध छिड़ गया। यह प्रथम विश्व युद्ध था। युद्ध लोकप्रिय हो गया और जैसे-जैसे यह जारी रहा, ज़ार ने ड्यूमा में मुख्य दलों से परामर्श करने से इनकार कर दिया। समर्थन पतला पड़ना। प्रथम विश्व युद्ध पूर्वी मोर्चे पर और पश्चिमी मोर्चे पर अलग था। 1914 और 1916 के बीच जर्मनी और ऑस्ट्रिया में रूसी सेना बुरी तरह हार गई। दुश्मन को जमीन से दूर रहने से रोकने के लिए रूसी सेना ने फसलों और इमारतों को नष्ट कर दिया। बाल्टिक सागर के जर्मन नियंत्रण द्वारा देश को औद्योगिक वस्तुओं के अन्य आपूर्तिकर्ताओं से काट दिया गया था। 1916 तक रेलवे लाइनें टूटने लगीं। शहरों में लोगों के लिए रोटी और आटा दुर्लभ हो गया। 1916 की सर्दियों तक, ब्रेड की दुकानों पर दंगे आम थे।

## **The February Revolution in Petrograd**

### **पेत्रोग्राद में फरवरी क्रांति**

Petrograd city is divided among its people. On the right bank of the River Neva workers quarters and factories were located and on the left bank located fashionable areas such as the Winter Palace and official buildings. Food shortages deeply affected the workers' quarters. On the right bank, a factory was shut down on February 22. Women also led the way to strikes and it is called International Women's Day. The government imposed a curfew as the fashionable quarters and official buildings were surrounded by workers. Duma was suspended on 25th February. The streets thronged with demonstrators raising slogans about bread, wages, better hours and democracy. The government called out the cavalry but they refused to fire on the demonstrators. Soldiers and striking workers gathered to form a 'soviet' or 'council' in the same building as the Duma met and it is termed as the Petrograd Soviet. Soviet leaders and Duma leaders formed a Provisional Government to run the country. Russia's future would be decided by a constituent assembly, elected on the basis of universal adult suffrage. Petrograd had led the February Revolution that brought down the monarchy in February 1917.

पेत्रोग्राद शहर अपने लोगों के बीच विभाजित है। नेवा नदी के दाहिने किनारे पर श्रमिकों के क्वार्टर और कारखाने स्थित थे और बाएं किनारे पर विंटर पैलेस और आधिकारिक भवन जैसे फैशनेबल क्षेत्र स्थित थे। भोजन की कमी ने श्रमिकों के क्वार्टरों को गहराई से प्रभावित किया। दाहिने किनारे पर, 22 फरवरी को एक कारखाना बंद कर दिया गया था। महिलाओं ने भी हड़ताल का नेतृत्व किया और इसे अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कहा जाता है। सरकार ने कर्फ्यू लगा दिया क्योंकि फैशनेबल क्वार्टर और आधिकारिक इमारतें श्रमिकों से घिरी हुई थीं। 25 फरवरी को ड्यूमा को निलंबित कर दिया गया था। रोटी, मजदूरी, बेहतर समय और लोकतंत्र के नारे लगाने वाले प्रदर्शनकारियों से सड़कों पर भीड़ उमड़ पड़ी। सरकार ने घुड़सवारों को बुलाया लेकिन उन्होंने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने से इनकार कर दिया। सैनिक और हड़ताली मजदूर उसी इमारत में 'सोवियत' या 'परिषद' बनाने के लिए एकत्रित हुए, जिस भवन में ड्यूमा मिले थे और इसे पेत्रोग्राद सोवियत कहा जाता है। सोवियत नेताओं और ड्यूमा नेताओं ने देश को चलाने के लिए एक अस्थायी सरकार बनाई। रूस का भविष्य सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर निर्वाचित एक संविधान सभा द्वारा तय किया जाएगा। पेत्रोग्राद ने फरवरी 1917 में राजशाही को गिराने वाली फरवरी क्रांति का नेतृत्व किया था।

## After February

### फरवरी के बाद

Under the Provisional Government, army officials, landowners and industrialists were influential. Liberals and socialists worked towards an elected government. Restrictions on public meetings and associations were removed. In April 1917, the Bolshevik leader Vladimir Lenin returned to Russia from his exile. Lenin demanded three things termed as 'April Theses'. He wanted war to end, land to be transferred to the peasants and banks to be nationalised. He also emphasised on renaming the Bolshevik Party to the Communist Party. Workers movement spread throughout the summer. Factory committees formed and trade unions grew in numbers. When the Provisional Government saw its power reduced and Bolshevik influence grew, they decided to take stern measures against the spreading discontent. In the countryside, peasants and their Socialist Revolutionary leaders pressed for a redistribution of land. Encouraged by the Socialist Revolutionaries, peasants seized land between July and September 1917.

अनंतिम सरकार के तहत, सेना के अधिकारी, जमींदार और उद्योगपति प्रभावशाली थे। उदारवादियों और समाजवादियों ने एक चुनी हुई सरकार के लिए काम किया। सार्वजनिक सभाओं और संघों पर प्रतिबंध हटा दिया गया। अप्रैल 1917 में, बोल्शेविक नेता व्लादिमीर लेनिन अपने निर्वासन से रूस लौट आए। लेनिन ने 'अप्रैल थीसिस' कहलाने वाली तीन चीजों की मांग की। वह चाहते थे कि युद्ध समाप्त हो, भूमि किसानों को हस्तांतरित की जाए और बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया जाए। उन्होंने बोल्शेविक पार्टी का नाम बदलकर कम्युनिस्ट पार्टी करने पर भी जोर दिया। श्रमिक आंदोलन पूरे गर्मियों में फैल गया। फैक्टरी समितियों का गठन हुआ और ट्रेड यूनियनों की संख्या में वृद्धि हुई। जब अनंतिम सरकार ने देखा कि उसकी शक्ति कम हो गई और बोल्शेविक प्रभाव बढ़ गया, तो उन्होंने फैलते असंतोष के खिलाफ कड़े कदम उठाने का फैसला किया। ग्रामीण इलाकों में, किसानों और उनके समाजवादी क्रांतिकारी नेताओं ने भूमि के पुनर्वितरण के लिए दबाव डाला। समाजवादी क्रांतिकारियों से उत्साहित होकर, किसानों ने जुलाई और सितंबर 1917 के बीच भूमि पर कब्जा कर लिया।

## The Revolution of October 1917

### अक्टूबर 1917 की क्रांति

The conflict between the Provisional Government and the Bolsheviks grew. On 16 October 1917, Lenin persuaded the Petrograd Soviet and the Bolshevik Party to agree to a socialist seizure of power. To organise the seizure, a Military Revolutionary Committee was appointed by the Soviet under Leon Trotskii. The Military Revolutionary Committee ordered its supporters to seize government offices and arrest ministers. By nightfall, the city was under the committee's control and the ministers had surrendered. At a meeting of the All Russian Congress of Soviets in Petrograd, the majority approved the Bolshevik action.

अनंतिम सरकार और बोल्शेविकों के बीच संघर्ष बढ़ता गया। 16 अक्टूबर 1917 को, लेनिन ने पेत्रोग्राद सोवियत और बोल्शेविक पार्टी को सत्ता की समाजवादी जब्ती के लिए सहमत होने के लिए राजी किया। जब्ती को व्यवस्थित करने के लिए, लियोन ट्रॉट्स्की के तहत सोवियत द्वारा एक सैन्य क्रांतिकारी समिति नियुक्त की गई थी। सैन्य क्रांतिकारी समिति ने अपने समर्थकों को सरकारी कार्यालयों को जब्त करने और मंत्रियों को गिरफ्तार करने का आदेश दिया। रात होने तक, शहर समिति के नियंत्रण में था और मंत्रियों ने आत्मसमर्पण कर दिया था। पेत्रोग्राद में सोवियत संघ की अखिल रूसी कांग्रेस की बैठक में, बहुमत ने बोल्शेविक कार्रवाई को मंजूरी दी।

## What Changed after October?

### अक्टूबर के बाद क्या बदला?

Industry and banks were nationalised in November 1917 which meant that the government took over ownership and management. Land was declared as social property and peasants were allowed to seize the land of the nobility. The Bolshevik Party was renamed the Russian Communist Party (Bolshevik). Elections were conducted in November 1917, to the Constituent Assembly, but they failed in majority. In January 1918, the Assembly rejected Bolshevik measures and Lenin dismissed the Assembly. Despite opposition, in March 1918, the Bolsheviks made peace with Germany at Brest Litovsk. The Bolsheviks participated in the elections to the All Russian Congress of Soviets, which became the Parliament of the country. Russia became a one-party state. After October 1917, this led to experiments in the arts and architecture. But many became disillusioned because of the censorship the Party encouraged.

नवंबर 1917 में उद्योग और बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया, जिसका मतलब था कि सरकार ने स्वामित्व और प्रबंधन अपने हाथ में ले लिया। भूमि को सामाजिक संपत्ति घोषित कर दिया गया और किसानों को कुलीनों की भूमि को जब्त करने की अनुमति दी गई। बोल्शेविक पार्टी का नाम बदलकर रूसी कम्युनिस्ट पार्टी (बोल्शेविक) कर दिया गया। नवंबर 1917 में संविधान सभा के लिए चुनाव हुए, लेकिन वे बहुमत में विफल रहे। जनवरी 1918 में, विधानसभा ने बोल्शेविक उपायों को खारिज कर दिया और लेनिन ने विधानसभा को खारिज कर दिया। विरोध के बावजूद, मार्च 1918 में, बोल्शेविकों ने ब्रेस्ट लिटोव्स्क में जर्मनी के साथ शांति स्थापित की। बोल्शेविकों ने सोवियत संघ की अखिल रूसी कांग्रेस के चुनावों में भाग लिया, जो देश की संसद बन गई। रूस एक दलीय राज्य बन गया। अक्टूबर 1917 के बाद, इसने कला और

वास्तुकला में प्रयोग किए। लेकिन पार्टी द्वारा प्रोत्साहित किए गए सेंसरशिप के कारण कई लोगों का मोहभंग हो गया।

## The Civil War

### गृह युद्ध

The Russian Army broke up and their leaders moved to south Russia and organised troops to fight the Bolsheviks (the 'reds'). During 1918 and 1919, the Russian Empire was controlled by the 'greens' (Socialist Revolutionaries) and 'whites' (pro-Tsarists) backed by French, American, British and Japanese troops. These troops and the Bolsheviks fought a civil war. By January 1920, the Bolsheviks controlled most of the former Russian empire. In the name of defending socialism, Bolshevik colonists brutally massacred local nationalists. Most non-Russian nationalities were given political autonomy in the Soviet Union (USSR) – the state the Bolsheviks created from the Russian empire in December 1922.

रूसी सेना टूट गई और उनके नेता दक्षिण रूस चले गए और बोल्शेविकों ('लाल') से लड़ने के लिए सैनिकों को संगठित किया। 1918 और 1919 के दौरान, रूसी साम्राज्य पर फ्रांसीसी, अमेरिकी, ब्रिटिश और जापानी सैनिकों द्वारा समर्थित 'ग्रीन्स' (समाजवादी क्रांतिकारी) और 'गोरे' (समर्थक-ज़ारिस्ट) द्वारा नियंत्रित किया गया था। इन सैनिकों और बोल्शेविकों ने गृहयुद्ध लड़ा। जनवरी 1920 तक, बोल्शेविकों ने अधिकांश पूर्व रूसी साम्राज्य को नियंत्रित किया। समाजवाद की रक्षा के नाम पर, बोल्शेविक उपनिवेशवादियों ने स्थानीय राष्ट्रवादियों का बेरहमी से नरसंहार किया। अधिकांश गैर-रूसी राष्ट्रियताओं को सोवियत संघ (USSR) में राजनीतिक स्वायत्तता दी गई थी - वह राज्य जिसे बोल्शेविकों ने दिसंबर 1922 में रूसी साम्राज्य से बनाया था।

## Making a Socialist Society

### समाजवादी समाज बनाना

During the civil war, industries and banks kept nationalised. Peasants were permitted to cultivate the land. Centralised planning process was introduced. Officials worked on how the economy will work and set targets for a five-year period. During the first two 'Plans' the government fixed all prices to promote industrial growth (1927-1932 and 1933-1938). Centralised planning led to economic growth. But, rapid construction led to poor working conditions. Schooling system developed, and arrangements were made for factory workers and peasants to enter universities. For women workers, crèches were established in factories for the children. Cheap public health care was provided. Model living quarters were set up for workers.

गृहयुद्ध के दौरान, उद्योगों और बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया। किसानों को भूमि पर खेती करने की अनुमति थी। केंद्रीकृत योजना प्रक्रिया शुरू की गई थी। अधिकारियों ने इस पर काम किया कि अर्थव्यवस्था कैसे काम करेगी और पांच साल की अवधि के लिए लक्ष्य निर्धारित करेगी। पहली दो 'योजनाओं' के दौरान सरकार ने औद्योगिक विकास (1927-1932 और 1933-1938) को बढ़ावा देने के लिए सभी कीमतें तय कीं। केंद्रीकृत योजना से आर्थिक विकास हुआ। लेकिन, तेजी से निर्माण के कारण काम करने की स्थिति खराब हो गई। स्कूली शिक्षा प्रणाली विकसित हुई, और कारखाने के श्रमिकों और किसानों के विश्वविद्यालयों में प्रवेश की व्यवस्था की गई। महिला श्रमिकों के लिए कारखानों में बच्चों के लिए क्रेच स्थापित किए गए। सस्ती सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान की गई। श्रमिकों के लिए मॉडल लिविंग क्वार्टर बनाए गए।

## Stalinism and Collectivisation

### स्टालिनवाद और सामूहिकता

The period of the early Planned Economy led to disaster of the collectivisation of agriculture.

प्रारंभिक नियोजित अर्थव्यवस्था की अवधि ने कृषि के सामूहिककरण की आपदा को जन्म दिया।

By 1927- 1928, the towns in Soviet Russia faced an acute problem of grain supplies. Stalin introduced firm emergency measures. In 1928, party members toured the grain-producing areas, supervising enforced grain collections, and raiding 'kulaks' – the name for well to-do peasants. After 1917, land had been given over to peasants. From 1929, the Party forced all peasants to cultivate in collective farms (kolkhoz). Peasants worked on the land, and the kolkhoz profit was shared. Between 1929 and 1931, the number of cattle fell by one-third. The government of Stalin allowed some independent cultivation, but treated such cultivators unsympathetically. In spite of collectivisation, production did not increase immediately and due to bad harvests of 1930-1933 over 4 million people died. Throughout the country, accusations were made, and by 1939, over 2 million were in prisons or labour camps.

1927-1928 तक, सोवियत रूस के कस्बों को अनाज की आपूर्ति की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा। स्टालिन ने सख्त आपातकालीन उपाय पेश किए। 1928 में, पार्टी के सदस्यों ने अनाज उत्पादक क्षेत्रों का दौरा किया, लागू अनाज संग्रह की निगरानी की, और 'कुलक' पर छापा मारा - अच्छे किसानों का नाम। 1917 के बाद, भूमि किसानों को दे दी गई थी। 1929 से, पार्टी ने सभी किसानों को सामूहिक खेतों (कोलखोज)

में खेती करने के लिए मजबूर किया। किसान जमीन पर काम करते थे, और कोल्खोज के लाभ को साझा किया जाता था। 1929 और 1931 के बीच, मवेशियों की संख्या में एक तिहाई की गिरावट आई। स्टालिन की सरकार ने कुछ स्वतंत्र खेती की अनुमति दी, लेकिन ऐसे काश्तकारों के साथ असहानुभूतिपूर्ण व्यवहार किया। सामूहिकता के बावजूद, उत्पादन में तुरंत वृद्धि नहीं हुई और 1930-1933 की खराब फसल के कारण 4 मिलियन से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई। पूरे देश में, आरोप लगाए गए, और 1939 तक, 2 मिलियन से अधिक जेलों या श्रम शिविरों में थे।

## **The Global Influence of the Russian Revolution and the USSR**

### **रूसी क्रांति और यूएसएसआर का वैश्विक प्रभाव**

In many countries, communist parties were formed, like the Communist Party of Great Britain. Non-Russians from outside the USSR participated in the Conference of the Peoples of the East (1920). The Bolshevik-founded Comintern (an international union of pro-Bolshevik socialist parties). Before the outbreak of the Second World War, the USSR had given socialism a global face and world stature. The USSR became a great power and its industries and agriculture had developed and the poor were being fed. By the end of the twentieth century, the international reputation of the USSR as a socialist country had declined.

कई देशों में, कम्युनिस्ट पार्टियों का गठन किया गया, जैसे ग्रेट ब्रिटेन की कम्युनिस्ट पार्टी। यूएसएसआर के बाहर के गैर-रूसी लोगों ने पूर्व के लोगों के सम्मेलन (1920) में भाग लिया। बोल्शेविक द्वारा स्थापित कॉमिन्टर्न (बोल्शेविक समर्थक समाजवादी पार्टियों का एक अंतरराष्ट्रीय संघ)। द्वितीय विश्व युद्ध के फैलने से पहले, यूएसएसआर ने समाजवाद को एक वैश्विक चेहरा और विश्व स्तर दिया था। यूएसएसआर एक महान शक्ति बन गया और उसके उद्योग और कृषि विकसित हो गए और गरीबों को खिलाया जा रहा था। बीसवीं शताब्दी के अंत तक, एक समाजवादी देश के रूप में यूएसएसआर की अंतराष्ट्रीय प्रतिष्ठा में गिरावट आई थी।



---

**F-21/B Shahi Astabal Garden Reach Road , Kolkata -700024 Near 28 No**  
**Email : [unitedliberalpart@gmail.com](mailto:unitedliberalpart@gmail.com) Mob: 8017216638/6204607570**